8 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मानुषी छिल्लर

कल्पना चावला

संध्या चौहान

रेखा रानी

शिवांगी पाठक

दुर्गा शक्ति एप

विनेश फोगाट

सीमा पूनिया

महिला पुलिस बल

महिला पुलिस थाना

1091

महिला हेल्पलाइन नम्बर

महिलाएं समाज की धुरी

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सबको बधाई और शुभकामनाएँ। महिलाएं हमारे समाज की धुरी हैं। आबादी का लगभग आधा हिस्सा महिलाएं हैं। जिस प्रकार तार के बिना वीणा और धुरी के बिना रथ का पहिया बेकार होता है, उसी प्रकार, महिलाओं के बिना समाज अधूरा है। भारतीय संस्कृति में तो प्राचीन काल से ही महिलाओं का गौरवशाली स्थान रहा है। हमारे शास्त्रों में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता' जैसी बातें महिलाओं के सम्मान की प्रतीक हैं।

''अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस'' को मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के प्रति सम्मान भाव के लिए जागृति पैदा करना तथा उनकी आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां का सत्कार करना है।

आज महिलाओं ने अपनी मेहनत और मेधा के दम पर इतिहास रचा है। चाहे वह क्षेत्र ज्ञान–विज्ञान, शिक्षा, खेल, राजनीति अथवा समाज सेवा का हो, सभी क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। हरियाणा की बेटियों ने भी खेलकूद में, शिक्षा में, विज्ञान और सौन्दर्य के क्षेत्रों में अपनी अनूठी पहचान बनाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने गगन चुम्बी पर्वतों की ऊँचाइयों को मापा है, अंतरिक्ष के रहस्यों को जाना है, देश की सीमाओं की प्रहरी बनी हैं और आज प्रदेश की पंचायती राज संस्थाओं में बड़ी संख्या में हमारी शिक्षित बहन–बेटियों ने गांव के विकास की बागडोर संभाली हुई है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कामना है कि महिलाएं शिक्षित व सशक्त हों और राष्ट्र के निर्माण में रचनात्मक योगदान करती रहें।

बहादुरी एवं सफलता की पहचान - हमारी बेटियां हमारी शान

महानिदेशक– सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा प्रकाशित एवं नियंत्रक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, हरियाणा द्वारा मुद्रित। (मार्च, 2019)